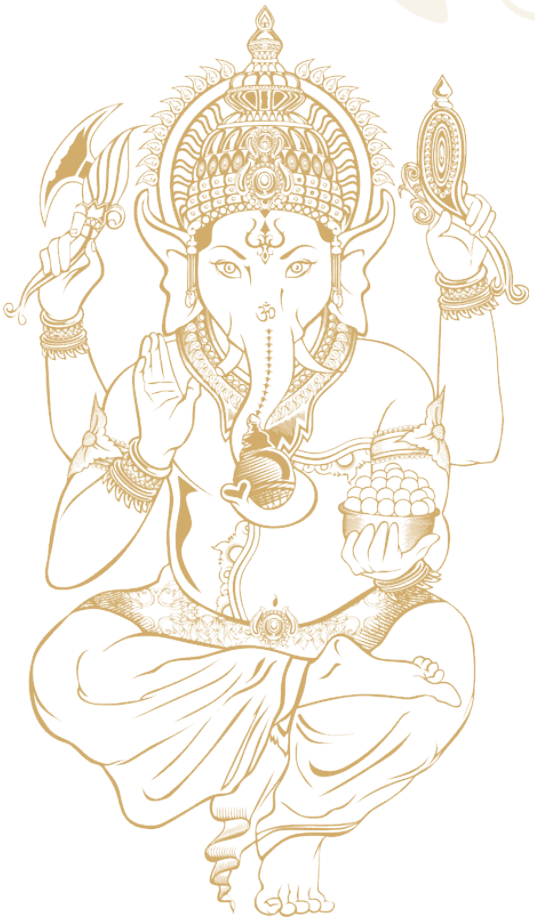

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119348009

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/08/2000	जन्म तिथि	23-24/06/2000
सोमवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 19:28:00	जन्म समय	00:35:00 घंटे
घटी 33:56:01	जन्म समय(घटी)	47:56:23 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:35	सूर्योदय	05:24:26
18:55:18	सूर्यास्त	19:22:14
23:51:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:34

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 10वर्ष 5मा 7दि		17:37:27	कुंभ	लग्न	मीन	14:17:24	गुरु 11वर्ष 0मा 12दि	
चन्द्र		04:56:25	सिंह	सूर्य	मिथु	08:44:08	शनि	
28/01/2017		19:42:33	मेष	चंद्र	कुंभ	24:08:13	07/07/2011	
28/01/2027		19:20:49	कर्क	मंगल	मिथु	11:00:29	07/07/2030	
चन्द्र	28/11/2017	04:27:51	सिंह	बुध व	मिथु	26:05:42	शनि	10/07/2014
मंगल	29/06/2018	14:58:35	वृष	गुरु	वृष	04:45:21	बुध	19/03/2017
राहु	29/12/2019	24:23:23	सिंह	शुक्र	मिथु	12:07:18	केतु	28/04/2018
गुरु	29/04/2021	06:41:20	वृष	शनि	वृष	01:59:48	शुक्र	28/06/2021
शनि	28/11/2022	00:11:58	कर्क व	राहु	कर्क	00:54:47	सूर्य	10/06/2022
बुध	29/04/2024	00:11:58	मक व	केतु	मक	00:54:47	चन्द्र	09/01/2024
केतु	28/11/2024	24:34:27	मक व	हर्ष व	मक	26:37:30	मंगल	17/02/2025
शुक्र	30/07/2026	10:40:22	मक व	नेप व	मक	12:10:45	राहु	25/12/2027
सूर्य	28/01/2027	16:17:25	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	17:06:07	गुरु	07/07/2030

लग्न-चलित

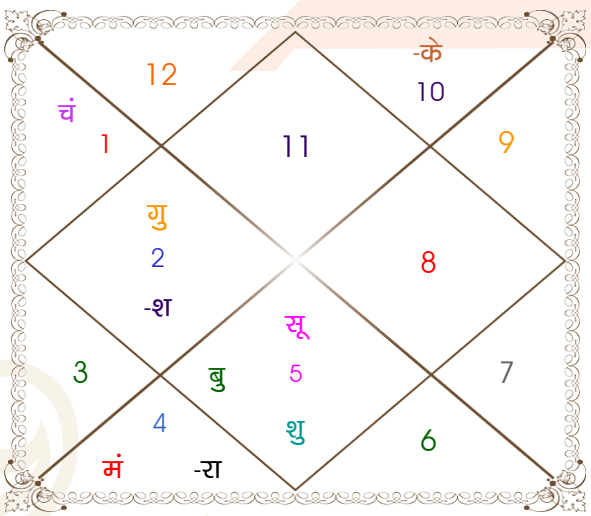

लग्न-चलित

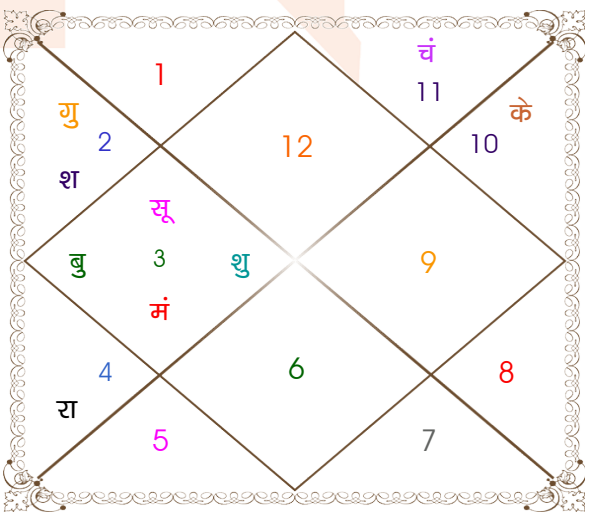

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सिंह	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।